



वनमाय डं द्य २ द्या द्य २ सवे विद्या न डं रुट् ॥ कीलय २ सवे या या न डं
 रुट् ॥ डं व ड की ल व ड व बा आ ह यय ति सवे विद्या विनाय कान काय वा
 वि ल व डान की ल य डं रुट् ॥ डं व ड म ड व व ड की ल मा का टय २ डं रुट् ॥
 यं था य दा न य का ला ही सु न ॥ **दशदिगं धर्मा** ॥ रु नि की व न वि वि ॥
 ॥ **स्वान ड्य उ म पु ल या द धु स न** ॥ सा व ना य व य ॥ त द न म पु ल रु मि म
 ॥ नि य ड य द्वा नि म र्वा ह त य ग थ म पु ल वै न वा व स थ वा वि रु वा स थ क
 व व डं य वि वि न्ना गु ल्पा लु प ह मी रु ह म म सु ड नि रिः डं का व दि

डव २ गंध म उ ल

डव जी ह ध म ल न म डान वि य

व लोः सं वा द ना ड लु र्ग ह न म वे न र्थ य धि वी द व न या स र्के की रु ना यी ल
 व ड रु द या यी मी मी यी मी व वा वि वि ल न व र्ण गृ ही त क न क द ना रु य
 वा म न व क व ड थ ग व क क यि व र लु ना वि वि न्ना ॥ **धु य ॥ नी ग ड न** य जा
 या च क ॥ य धि ना म **का य ॥ ड व ला दा न या** रु अ गु वि न डं का व ल्प य वि न
 म ड ल रु धि य ला व ल ३ यं था य दा न य का ॥ **धन अ ह या च क म पु ल म**
 ग र म ड ड न र्थ य र व ० न न र्थ अ ध या य म रु वा ना म ड श क न र्थ
 डं व रु हि म हा द वा द धि वी ला क मा न व स वे व ला स मा यू ड दि वा ल

कारकं हि नूदावनुभूतं लिख्यते वाचि सत्यं यदुक्तिं गृहीत्वा लोदं मद्यं
 मधुलं कम्पं सुभाषयदा उच्चार्यते ॥ **तुति ॥** त्वं वि **हवयाव** साकं हता
 सि साकं वं मजाययं सवद्वदाननायिनामिममस्तु वधन नमस्तु वयाह
 मया चर्या नय चवन आवक यत्नक मदायान विस्यय्य विस्यय्युव
 हमियावमिनासुच यावयायमजिवगुव यथा गथ्य मार मारन वनरुमं
 मारकयाहवव शाक सिहननायिना शाक सिनथागनस्यन तथा मारव
 वजिवा धमारहाका शाक सिनथागनमारव मधुलं धमधुलं विद्या

मिहं चाय ॥ धन वज्रव दंष्ट्रव दंष्ट्राव मधुलं मधियमच डं वडादवहं ३ ॥
 डं वज्र निष्टं ३ धमधुन मधुलं विद्यान ॥ लोतिवसूलावा विनासन विवि
 ॥ ॥ गतामधुलं मिमलं महानष्ट दवयदं लिख्यं मधुलं यादोतं
 म नवधनकं शाहउयचं यिनवासनथाय कष्टिकोया कवर्गसूय ॥
 कष्टमथायवय ॥ धूययाय यंरगथनहाय यंरवले यंथायवि यंरवि
 हि इधमं ॥ डं वज्र जिखवचुत्तमं दिशां वध १ हं हट ॥ धमधुन कवर्गसूय
 वनानं कवर्गसूयिनां गवसकायवर्तं दिनां गवरावसखितं युवानयुन

मधुलं विद्या

जायमनु ॥ डं वड समथ हृषमा गिरुमं हं वाव १०८
ववि विर्य यं ला द्यं सु न ॥ सुना विवासन ॥ ॥ ॥ वक्रिण दय वड ॥
य ॥ नद ह व न ला वना ॥ हं का व ड गिन य व ह वि क व ड वि वि त्य ॥ य था य
हा व यू जा जायमनु ॥ आ व ड ह ह नू व क हं १ हू ॥ कि नी जा व स म्भ व ला हा ॥
डं व ड स ह हं १०८ व वि यं ला द्यं सु न ये न व जा वि वा स न ॥ ॥ ड र
व द य द्यं ॥ स ल्हा य ॥ ख व य व ह व स द्यं पु न ला वना ॥ ना द्यं ॥ आः का व जा वि
वि त्य ॥ आ य था दि जायमनु ॥ डं व ड क र्म के ॥ डं व ड द्यं पु न ॥ १०८ ॥

वलि यं ला द्यं सु न ॥ द्यं पु वि वा स ॥ ॥ व श्चि म व स र्व था य ॥ था थ य व ह
व स ॥ शि व न ला वना ॥ शि व व का व ड गिन व हं वि वि त्य ॥ आ क र्व न या ॥ जा
यमनु ॥ डं व ड व ल गी ॥ डं व ड य र्म के ॥ १०८ ॥ व लि यं वा द्यं सु न ॥ शि वा
वि वा स न ॥ ॥ अ र्ग या दि का न य व द न स ना य व द यु व न पा ठ या ॥ ख व
का न स ॥ ॥ ख व र्थ थू य व ह व स ॥ ॥ था र्थ व ॥ ॥ उ व य व द न र्थ यु व स ॥ आ द
व ड न ॥ ॥ उ व य व द न स वा ड व ड न ॥ क र्म या द व न्य ॥ ला क र्म व ड न ॥ ॥ ला व ना
मी ल ली ग स मा य व ड न ॥ ॥ था र्थ व ड स ॥ आ ड व ड स वा ड व ड सी स क र्म नि

सावना ॥ ये लं च हं वै वा जे त्रिस्तु नान वं ज्ञां ज्ञां खं हं जान ॥ वे वा च नं बल स न व
 अति ना न अभा घ मि द्वि अक स च यान था वा न न नि व शिन य व न था ग न
 क्त स र्व का वा दि ह न वं लोः ॥ **म क व र्ति नं यु जा या च क जाय ॥ ॐ हं व ड वि न य**
म य हं ना व लं ग या ॥ ॐ वं व ड वि न स म य हं ॥ **भा य रं द या जाय ॥ ॐ जाः व ड वि**
ह स म य हं ॥ ॐ था रं द या जाय ॥ ॐ जाः व ड वि न स म हं ॥ वा द रं द या जा
य ॥ ॐ खं व ड वि न स म य हं वा द रं द या जाय ॥ भ व लं द या स र्व क मि क म
ग न अ वि ह न यं वा य हा व यू जा वं जा वि वा स न ह यि ॥ २ ॥

१ क न गं रं गं वं जं द यं १ गं रं द व कि

न लं द व क्ता हं स ह क ध १

मूल आ चा ये न **मूल आ चा ये त्वं मूल मं ग न अ वि ह न** क न आ चा ये या स र्वः
 क मि क म क न अ वि ह न ॥ न द न ह म गु ल म ये नि व द य वृ द्धि मूर्ख सः
 ना त्मा न च ३ क श चू य ड ल व सा ध कं श लु ला हा चू य वि रु द्ध ॥ ॐ श्री व ड हं हं
 वृ क हं हं हं हं क कि ना जा व रं स रं हं हं ॥ **थ म हं य** ॐ स लु ला हं हं हं हं
थ का दि क च कं ॥ सा ह्य न था स रं ३ ॐ का व ड थ व ड व स म न यि न रं वृ सूर्य
 चू य वं लु सूर्य हा न यं च वृ द्धा यं थि थि मि खान था या व डं दी फ ह थि जि मि
 ॐ ॐ ॐ वा या चो अ लि व सा ध क सा च न ह यं ना सा भा ह्य स ह्य न व न न थाम

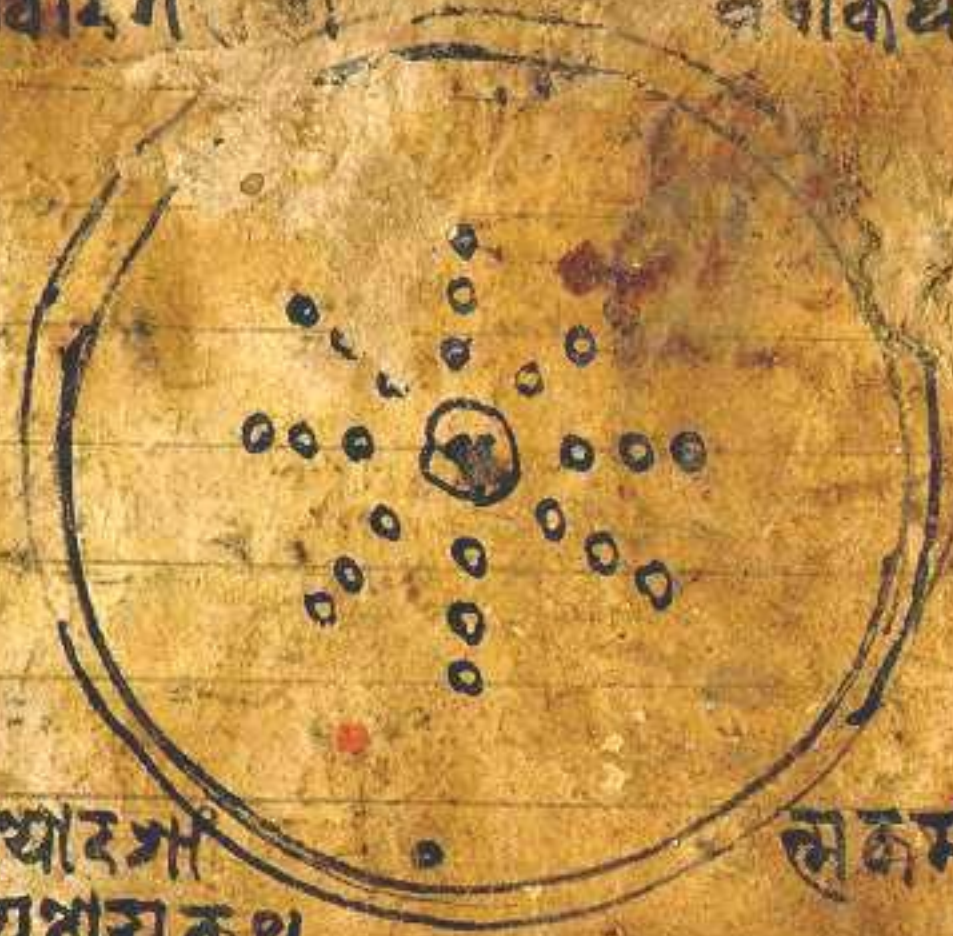
विदिग

वार्कधनवाय

खवन

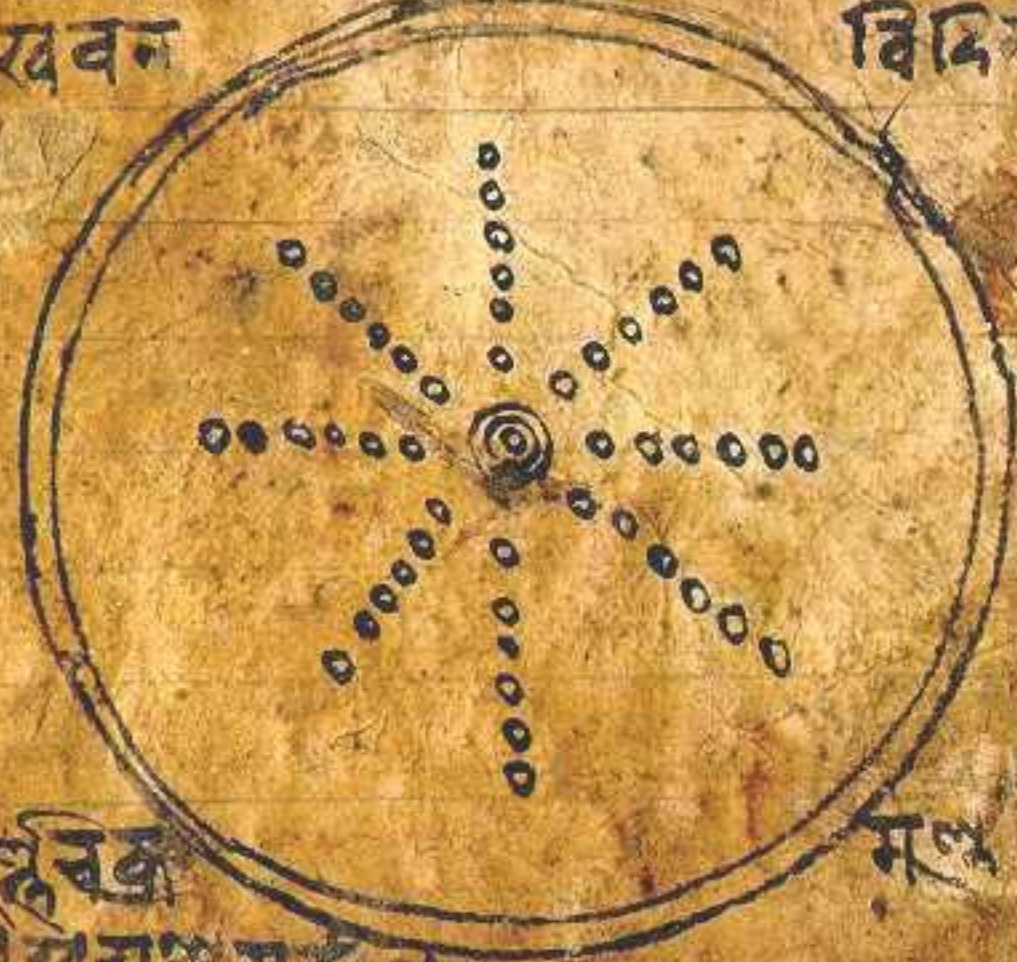
विदिग

दिगसखवगानक



मन्त्र

वार्कधनवाय



मन्त्र

धूमि न्यादश
या न्ययवायकथ

लकमगुल

संयुक्त
न्यायययययय

ॐ निमल्लालिखक ॥ यातकास मावठसत मरु ॥ उं हूं गूं कूं अं ललाटव
 प्रायात ॥ कशा दि विष्टुमूलनायकान यठवद्व यताका लिखक ॥ **अध्यायणा** वाधिव
 जनवृधोनात्यादि ॥ **नृप उ कया लस थियक** वज विच ॥ निविं वसुवगत्त गद
मखननहाय वजा लिखक ॥ ॥ अध्यायणा ॥ वाधिवजनवृधोना ॥ त्यादि ॥
 सावना ॥ निव्यखकावज ॥ खझासन्न जमाघ सिद्धि ॥ हनसत्ता लिन्न धंटावाभा
 घसिद्धि ॥ विनावयत ॥ अलिखक महावज ॥ वेधापुकी नमस्तुर्थ ददामि सर्वरु
 जाना ॥ निगुधनय स सुर्व ॥ उं वजा विवतिह्वा मलि विं चामि निष्ठवज सम

यहं शा ॥ **धृष्टु विच** ॥ गृहात्वा मिमचारगवन मयिसनिदिता रुव डं सवन
 नामरु ॥ **ॐ तिघप्रा लिखक** ॥ ॥ अध्यायणा ॥ वाधिवजनवृधोना ॥ त्यादि ॥
 सावना ॥ निव्यखकावज ॥ वजसहर्ग वेधावनवृय हनसत्ता लिन्न विनाव
वजधृष्टु कया वस थियक ॥ अलिखक महावज ॥ वेधापुकी नमस्तुर्थ
 ददामि सर्वरुद्वाना ॥ निगुधनय स सुर्व वजसत्तवाम लि विं चामि वजनाना
 लिखक न हं जमूकवज तथागतत्त हर्ह वेत्त ॥ यथ्या यातनया अनूचयन
 नामरुय ॥ वजन निचक मगक हाव वस गायु झाह् वाह् ॐ था डाक श्याव

वज्रसत्त्व	ऊर्कास्य	वैशचन	वत्ससंरुवा	अमितांरु	अर्माद्यसिद्धि
यवमादि	हासवज	हंकाववज	वत्सवज	वागवज	अर्माद्यवज
वज्रजूनय	विनासवज	आस्रववज	विनामनिव	गुवलाकिने	यवमात्ववज
मवजसू	वतिवज	नधगवज	जखवज	वजधर्मवज	समयवज
नवजसू	लीलावज	मायावज	गगनवज	कनूनावज	यावमिगावज
मयवज	नवीनवज	वृद्धवज	नंजावज	यवमादवज	अनिनवजकर्मव
विजयवज	सूर्यवज	कायवज	मालवज	सूचनाक्रवज	जस्यगवज
गुललवज	हनुवज		लासिकवज	अमितावज	
सत्त्ववज	कनूवज			क्रज	

मस्तुव	धरुवज	वज्रजिनी	वत्सवज	अमितांरु	अर्माद्यसिद्धि
जूनग	हंकावज	तजलावा	वज्रगाना	वज्रनागा	वज्रगवा
वज्रयान	नगाल्मावज	वज्रनाथा	वज्रभासा	जजुहासुखा	नूनावजमाया
वज्रवज	हस्तवज	वज्रलाचना	वज्रद्वाना	वज्रवनावि	वज्रगाना
विनासिनि	वावजक	भाहवति	वज्रमाना	वज्रमनि	वज्रनरुंधनि
वज्रमदा	वावजमा	थामानवज	वज्रकासा	जहास्या	वज्रमाया
वज्रकोक	मकी	नायूया	आकासन	वज्रमार्गला	वज्रवनि
वज्रानना	धववति		ति	वागवति	
वज्रयना	माइया				
वज्रमाना					
वज्रास्या					

॥ ॐ निनागादिष्टक ॥ ॥ धन वज्रघंष्टु मकटकाकाक स्वकर्म ॥ आचार्यो
दिष्टक ॥ ॥ ॐ आचार्यन रामक ॥ ॥ ॐ गुणसाठक ॥ ॥ ॐ विहीन ॥
कथानिष्ठ ॥ ॐ वयथावयाहयान स्वयथाथ वयथावयायथाथ समर्थस्यान सम
समर्थन यनाह वनवृजन त्व वयथाव यसादत वयथासेयायसावन
॥ मकटनयायक ॥ ॥ अलिधर्क महावज्र ॥ ॐ धातुकनमस्तुन यथाकपूजना
धाय मकटयचक्रधारक ॥ अनासविद्या वज्रविय ॥ नदन नृकाव नृकावनजा
यवय वज्र ॥ अमावज्र धातु धाववययात अनादिनि अन आदिन अ

मान ईश्वरमाना आवडमव वडमय यनासव अमावज्रया धामड स्वम
व वज्रसत्तामहावन वज्रसत्तया समकुरुड समस्तस सर्वता आत्मा वज्र
गतायतिः यति ॥ वज्रगड ॥ ॐ निवडादिष्टक ॥ ॥ नदन आकावज्र घंष्टु
घंष्टु विय ॥ ॐ यंसा धयष्टु सर्वव ज्ञाना समस्तवद्यया घंष्टुधाखा धयष्टुमा
नृगास्मृता सद्य तयाविदि रुमिष्टाहन सदाधाय सदाधययमाव वाधि
वया ग्यान जिनस्मृता सद्य ॐ निवामरुसेदडा घंष्टुधावक ॐ सरावशुवासव
धमासुकावशुधर ॥ अलिगनयावक ॥ धनघंष्टुसमय वनामविस इवनवा

कटहाउ नस्य विद्युवर्जं वज्रविद्या नक्षत्रं गच्छ नक्षत्राय याम ह्यं ग ह्यं ध्रुविद्या व
मोक्ष धर्मसाधनं वाधवययक समयश्च समयं महामुद्रा महामुद्राय जूवि
ष्टाय जूविष्टनयाहाव रुद्राजयन् मनुकयूवतनयवयय नतः स्वयं साष्ट
जनकं विजयकं वा जयमलिजाययकं सकवद्विद्य नतागिष्टं सावकभायं
कारिधात्वा ॥ उं वडनं गायद्रवयमनं कीं ॥ उं उवनवधं अहन अगानधाय
यतिन यनेव यटवभाचकरं वत्स ययतिनं जिनं मुनं तथा गतहाका नानध
स्वामिमाचकरं सवाका सवाकानववामानन वडवाजह्वं वेशवाजनधसवा

कानववामानन सिद्धदाकारमाचकर जथालोक समसुखाकन स्यमिमिलं अ
मम नमायाव गानसम सखन ॥ अं उवातिव्यक ॥ ॥ आकावड
मिमिदशयिता ॥ रु सकनकनं युनिविं धर्मश्चिद्रसकन समोधमा रु
यावडधिद अष्टगुडा निर्मवगुह रुनाविवा विवसवयमद अगच्छ काय
मद जनविगयाय धिधिरुं झयमद रुमुकमा रुमुकमनिजायवया सम
रुवा धदमयाय धमथधद धिकायमद रुनमद मायशकार्थमद धर्म
याय अमाद्रसकन ॥ निदय्येता विधकविधि ॥ ॥ ननाहंकावडवन

हामितिय० नृदद्यात् ॥ यहधनं **यहधनं** लि० समाध्याना **थर्थज्ञाया** उ
यायमुपनाम्ना **लिगुनडयायसुखाव** ॥ १० ॥ सहजस्यधनं **वलागहजसुखा**
व विश्वविकल्पवर्णं **विकल्पसुखाव** ॥ धववावलयूनि **ववयूकायववामयू**
सुखलभाचकवरा ॥ धनकननकं **गधननयकं** वरुयूजा **धव मधुल** युव
सराउ **वरिजायानां** दयलादादाययं ॥ काठानजादूस ॥ खाऊवहिरवकं
गनचकु **कवकययने** ॥ गतिदामयूजा **कवगयूजा** हामिधायकं **धवयू**
जा गवकवदयसुदयकं **स्यहन** नादवा **मठह** नाय **वसुहाय** धमनिसक

कवकामाविधूजा **माहनासावन** युक्त **कवगहाय** समय **मधुल** गकव
ना **विशजिन** वजवन **युवदिवाननिस्य** दथनाद्यागहाय **कावन** उय **युव**
नादथाहुवनं **जनानयाय** यूजायाय **कमायन** विशजिन **युकावन** वसुहाय
गनचकु **स्यवववि** ॥ **११** ॥ **ॐ** निस्याहियकवद्वि ॥ समुक्तग **२** वद्वि
४ धकृद्वधनकारुवा ॥ **युरु** ॥ **ॐ** यधमयो **पेक्ष** धावालयकमान **मिसगा** ॥

कान्दो कचिदु-
गिका द्वा विद्वान्

[illegible][illegible]

